

PRESS RELEASE

27.05.2025

KEEL LAYING CEREMONY OF 1ST SHIP OF FAST PATROL VESSELS (14 FPVS) FOR INDIAN COAST GUARD

Mazagon Dock Shipbuilders Ltd (MDL), a Navratna DPSU, commenced the production activity for 1st ship of 14 FPVs (Y-16501) for the Indian Coast Guard on 19 Dec 2024. The Keel laying ceremony of the Y-16501, another milestone achievement was held on 27 May 2025. DIG Atul Parlikar, TM, OIC-CGSD(Mbi) presided the Keel laying ceremony in the presence of Mr. A Vinod, Executive Director (Shipbuilding- MDL) along with senior officials from ICG, Classification society (ABS & IRS) and MDL held at Ritchie Dry Dock (RDD) of MDL.

MDL has signed the contract with ICG to design, build, and deliver a total of Fourteen (14) Fast Patrol Vessels. The project is valued at Rs 1070.47 crores. Each vessel will feature a waterjet propulsion drive, built to meet contractual speed in excess of 33 knots and shall be classified under Dual class (ABS & IRS).

The vessels will be designed as High speed craft, equipped with a waterjet propulsion, high-speed diesel engine. The vessel shall be used for patrolling coastal waters and protection of fisheries. These vessels will be capable of carrying a small high speed boat to carry out search and rescue missions in shallow unchartered waters. Apart from this, these vessels shall have inherent capability to switch over to war time roles such as providing communication link, escort coastal convoys, logistic support, medical evacuation and supplement Indian Naval resources.

The vessel is scheduled for delivery in Mar 2026. Today's Keel laying ceremony marks a significant milestone in the construction of the vessel by MDL.

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय तटरक्षक बल के लिए तीव्र गश्ती पोतों (14 एफपीवीएस) के पहले जहाज

का कील लेईंग समारोह

27.05.2025

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), नवरत्न डीपीएसयू ने 19 दिसंबर 2024 को भारतीय तटरक्षक बल के लिए 14 एफपीवीएस (वाई-16501) के पहले जहाज हेतु उत्पादन कार्य प्रारंभ किया। वाई-16501 का कील लेईंग समारोह, जो कि एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि है, 27 मई 2025 को आयोजित किया गया। डीआईजी अतुल पारलिकर, टीएम, ओआईसी-सीजीएसडी (एमबीआई) ने आईसीजी, क्लासिफिकेशन सोसायटी (एबीएस और आईआरएस) और एमडीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ श्री ए.विनोद, कार्यकारी निदेशक (जहाज निर्माण-एमडीएल) की उपस्थिति में एमडीएल के रितची ड्राइ डॉक (आरडीडी) में आयोजित कील लेईंग समारोह की अध्यक्षता की।

एमडीएल ने कुल चौदह (14) तीव्र गश्ती पोतों के डिजाइन, निर्माण और वितरण के लिए आईसीजी के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना का मूल्य 1070.47 करोड़ रुपये है। प्रत्येक पोत में वाटरजेट प्रोपल्शन ड्राइव की सुविधा होगी, जिसे 33 नॉट से अधिक की अनुबंधित गति को पूरा करने के लिए बनाया गया है और इसे दोहरी श्रेणी (एबीएस और आईआरएस) के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।

इन जहाजों को हाई स्पीड क्राफ्ट के रूप में डिजाइन किया जाएगा, जो वाटरजेट प्रोपल्शन, हाई-स्पीड डीजल इंजन से लैस होंगे। पोत का उपयोग तटीय जल में गश्त और मत्स्य पालन की सुरक्षा के लिए किया जाएगा। ये पोत उथले अज्ञात जल में खोज और बचाव मिशन को पूरा करने के लिए एक छोटी हाई स्पीड नाव ले जाने में सक्षम होंगे। इसके अतिरिक्त, इन जहाजों में युद्ध के समय की भूमिकाओं जैसे संचार लिंक प्रदान करने, तटीय काफिले को एस्कॉर्ट करने, रसद सहायता, चिकित्सा निकासी और भारतीय नौसेना के संसाधनों को पूर्ण करने की अंतर्निहित क्षमता होगी।

जहाज की डिलीवरी मार्च 2026 में निर्धारित है। आज का कील लेईंग समारोह एमडीएल द्वारा जहाज के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

